लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 175

25 अप्रैल, 2016 को उत्तर के लिए

इस्पात उत्पादन लक्ष्य

†**175. श्री के. परसुरमन:**

क्या **इस्पात** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या माननीय प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली विनिर्माण समिति ने 2025 तक 300 मिलियन टन इस्पात उत्पादन का लक्ष्य रखा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या इस कदम से वर्ष 2025 तक इस्पात की घरेलू खपत हेतु देश की आश्रिता कम होने की संभावना है; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में सरकार द्वारा प्रस्तावित कदम क्या हैं?

उत्तर

इस्पात और खान राज्य मंत्री (श्री विष्णु देव साय)

(क): जी हॉ। माननीय प्रधान मंत्री जी की अध्यक्षता में दिनांक 9 जुलाई, 2013 को सम्पन्न हुई उच्चस्तरीय विनिर्माण समिति (एचएलसीएम) की बैठक में यह सिफारिश की गई थी कि अगले दशक के मध्य अर्थात वर्ष 2025 तक 300 मिलियन टन इस्पात का उत्पादन करना इस्पात मंत्रालय का लक्ष्य होगा।

(ख): इस्पात एक नियंत्रण मुक्त क्षेत्र है। इस्पात का उत्पादन और आयात दोनों ही पूरी तरह बाजार-संचालित होते हैं तथा ये आयात बाजार संबंधी विभिन्न कारकों जैसे कि कीमत, गुणवत्ता, उपलब्धता आदि पर निर्भर होते है। इसके अतिरिक्त, उच्च गुणवत्ता वाले इस्पात, जिनका विनिर्माण देश में नहीं होता, भी कुछ मात्रा में आयात किया जाता है।

(ग): जब भी आवश्यक होता हैं, सरकार विदेशी इस्पात उत्पादकों से किये जाने वाले सस्ते आयातों के विरूद्ध घरेलू इस्पात उत्पादकों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए सुरक्षोपायशुल्क, एण्टी डम्पिंग शुल्क तथा न्यूनतम आयात कीमत जैसे उपायों के जरिये हस्तक्षेप करती है।

***